'इतिहास' के लेखकों के लिए दिशा-निर्देश

- 'इतिहास' शोध पत्रिका का नियत प्रकाशन वर्ष में दो बार जून तथा दिसम्बर में किया जाता है।
- शोध लेखों के प्रकाशन हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।
- शोध लेखों तथा पुस्तक समीक्षाओं के लेखकों को मानदेय के रूप में क्रमशः Rs. 2500/- तथा Rs.2000/- पत्रिका की प्रति सहित दिया जाता है।
- शोध लेख नवीन, तथ्यात्मक, मौलिक, अप्रकाशित एवं समुचित विस्तार का होना चाहिए।
- लेखक-परिचय पाद टिप्पणी के रूप में शोध लेख के प्रथम पृष्ठ पर होना चाहिए।
- शोध-निबन्ध/आलेख की शब्द सीमा 4000-7000 के बीच होनी चाहिए तथा लेख में शोध सारांश (200 शब्द) एवं बीज शब्द (7-8 शब्द) शब्द का होना अनिवार्य है।
- प्रस्तावित लेख की मूल प्रति ई-मेल (कृतिदेव फाण्ट में) द्वारा ***dd.journal@ichr.ac.in/ itihas@ichr.ac.in*** अथवा पंजीकृत डाक द्वारा, निदेशक (जे.पी.एल.), भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, 35 फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली-110001 को भेजें।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वीकृत होने पर ही शोध निबन्ध **'इतिहास'** में प्रकाशित किए जाएँगे। अस्वीकृत निबन्धों को लौटाने का उत्तरदायित्व भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् का नहीं है।
- विशेषज्ञों के सुझाव पर शोधार्थी को अपने शोध-निबन्ध में संशोधन करना भी अनिवार्य है।
- प्रस्तावित शोध निबन्ध के प्रकाशन के विषय में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अन्तिम माना जाएगा।
- पाद-टिप्पणी उसी पृष्ठ पर नीचे निम्नांकित शैली में अंकित किया जाना अनिवार्य है : लेखक का नाम, पुस्तक का नाम (इटैलिक), प्रकाशक का नाम, स्थान, वर्ष एवं पृष्ठ सं.।

  प्रतिरूप, **पुस्तक :** नर्मदा प्रसाद गुप्त, *बुन्देलखण्ड की लोक संस्कृति का इतिहास,* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995, पृ.124

  इसके अलावा पाद-टिप्पणी में 'वही' शब्द के स्थान पर तदैव एवं 'पूर्वोक्त' की जगह तत्रैव का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए।

  शोध पत्रिका : नोरमन पी. जिगलर, 'मारवाड़ी हिस्टोरिकल क्रॉनिकल : सोशल एण्ड कल्चरल हिस्ट्री ऑफ राजस्थान', *द इण्डियन इकोनोमिक एण्ड सोशल हिस्ट्री रिव्यू,* खण्ड 13, भाग 2, अप्रैल-जून 1976, पृ. 219-50

  समाचार पत्र : *भारत जीवन,* 8 जून 1890, पृ. 7

विस्तृत जानकारी के लिए देखें : www.ichr.ac.in
facebook page : https://www.facebook.com/itihasshodhpatrika